बप्पा की झांकी आई | by Suren Namdev

गणपत देवा मंगल कर्ता विघ्नहरण सुखदाई
भक्तों में मस्ती छायी, बप्पा की झांकी आई

गौरी लाल की ज्योत जलाये कोई फूल चढ़ाता
कोई तुझको इत्र लगाकर जयकारे है लगाता
दर्शन के अभिलाषी है मन में आस जगाई
भक्तों में मस्ती छायी, बप्पा की झांकी आई

कोई तुम्हारी महिमा गावे, लड्डू बूंदी चढ़ाये
जो भी शरण में आवे तेरी, जीवन सफल बनाये
मूषक की तू करे सवारी सुन्दर छवि है पाई
भक्तों में मस्ती छायी, बप्पा की झांकी आई

राजा गोहर लिखे भजन तेरी दया है बाबा
मन की उमंगें नाच रही लगा पार नैया बाबा
झूम रहा मन मेरा ये कैसी लीला दिखाई
भक्तों में मस्ती छायी, बप्पा की झांकी आई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%aa%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9d%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%88-by-suren-namdev/